आडियो-विज़्युअल ई-न्यूज़लेटर

संग्राम

वर्ष २०२० – खण्ड २

समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सहचित्तमेषाम्।
समानं मन्त्रमभिमन्त्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि।।

{ऋग्वेद, 10.09.03}

ऋग्वेद (10.09.03) में ऋषि के द्वारा कहा गया है कि हमारे विचार, पूजा के मंत्र व गुरूपदेश एक जैसा होना चाहिए। भिन्न पूजा–साधनों से आग्रह की वृद्धि होती है। विचार करने की जगह या मन्त्रणा का स्थान भी एक होना चाहिए। मन के साथ चित्त भी एक हो। केवल मन की एकता से कार्य सिद्ध नहीं होते। जिसके आचार, विचार अर्थात् मन्त्र, समिति (सभा) मन, चित्त सभी एक हैं। उन्हें मैंने एक मंत्र (विचार) से दीक्षा दी है और एक जैसी भोगैश्वर्य सामग्री उन्हें प्रदान करता हूँ।

प्रधान संपादक
प्रो. संगीता श्रीवास्तव
माननीया कुलपति
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या)
विश्वविद्यालय, प्रयागराज

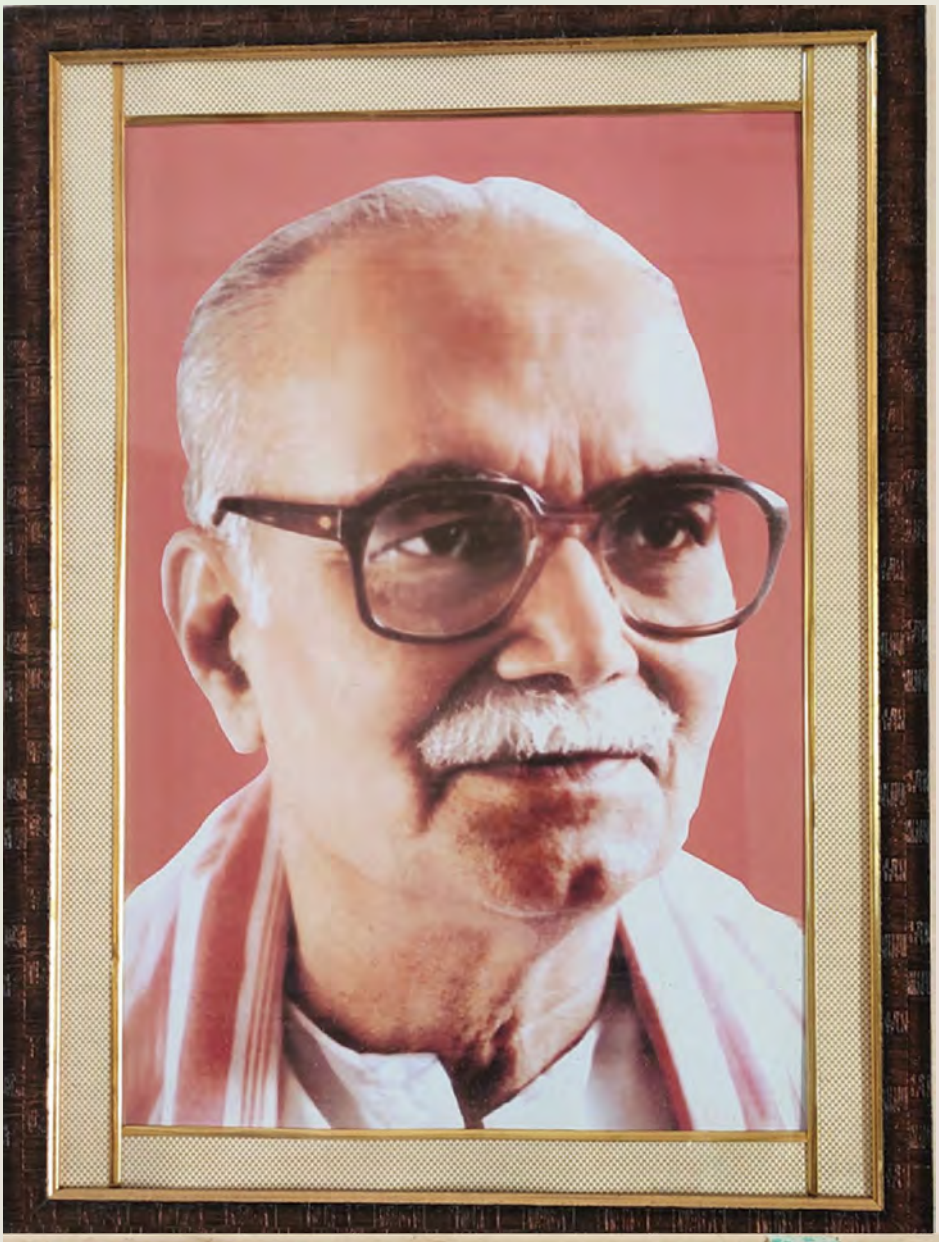

तन समर्पित,
मन समर्पित
और ये जीवन समर्पित
चाहता हूँ देश की मिट्टी
तुझे कुछ और भी दूँ

- प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या)

अनुक्रमणिका

		पृ.सं.
1.	शुभकामना सन्देश–	
	महामहिम कुलाधिपति महोदया	03
	माननीय मुख्यमन्त्री जी	04
	माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री जी	05
	माननीया कुलपति महोदया की डेस्क से	06
	कुलसचिव महोदय का संदेश	07
	परीक्षा नियन्त्रक महोदय का संदेश	08
2.	अन्तर्राष्ट्रिय वेबिनार का आयोजन– 5–6 जून 2020 विषय : "कोविड–19 के वर्तमान परिदृश्य में डिजिटल मीडिया के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं सामाजिक दूरी के परिप्रेक्ष्य में।"	09–10
3.	शिक्षक भर्ती– नयी उपलब्धि– नव नियुक्त शिक्षकों का विभागवार विवरण	11–13
4.	स्वतन्त्रता–दिवस समारोह– झण्डारोहण (15.08.20220)	13
5.	"प्रतिभा" सभागार का उद्घाटन– 18.08.2020	14
6.	प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज (सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी) के नये भवन में प्रवेश	15–16
7.	शिक्षक दिवस समारोह "उद्गार"– 04.09.2020	17
8.	प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) की प्रतिमा का अनावरण एवं हवन– 13.09.2020	18–19
9.	विश्वविद्यालय में शोध आरम्भ – 11 विषयों में शोध–प्रवेश को मंजूरी	19
10.	माननीय प्रधानमन्त्री के जन्मदिवस के अवसर पर वृक्षारोपण– 17.09.2020	20
11.	राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन– 23.09.2020 (विषय– "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : उच्च शिक्षा में मुद्दे, चुनौतियाँ एवं अन्तर्दृष्टि")	21
12.	गाँधी–जयन्ती समारोह– 02.10.2020	22
13.	महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम	23
14	हिन्दी पखवाडा	23–24

सम्पादकीय

प्रयागराज का सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्त्व अशेष जगत् में विश्रुत एवं विख्यात है। परम पावनी भागीरथी के तट पर स्थित ऋषि भरद्वाज का आश्रम है, जहाँ भगवान् श्रीराम, माता सीता एवं कुमार लक्ष्मण वनवास की अवधि में आए तथा इस भूमि को अपने पग धूलियों से अमृतमय सिद्ध किया। इसी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्थापित प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, नितान्त अपनी ज्ञान–विज्ञान की विविध विधाओं एवं उत्कृष्ट अनुसन्धान की प्रभा से शिक्षा–जगत् में नवोन्मेष का सञ्चार कर रहा है। विश्वविद्यालय का महत्त्व सभी दिशाओं, क्षेत्रों में प्रवर्धमान हो रहा है। शैक्षिक, सांस्कृतिक, सामाजिक आयोजन एवं समारोह अनेक विविधताओं में भी देश की एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण रखते हैं। कोविड–19 महामारी के अवधि में माननीया कुलपति महोदया के निर्देशन में कृत प्रयास से प्रवासी मजदूरों, कामगारों, गरीब जनता को बहुत सहायता प्राप्त हुई। यह कार्य सामाजिक समरसता एवं संघटन के लिये महत्त्वपूर्ण है। अनुसन्धान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय–समय पर अनेक विषयों पर वेबिनार का आयोजन अध्येताओं को सतत् सीखने के लिए अभिप्रेरित करते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं शोध द्वारा सूचनापरक एवं तथ्यात्मक ज्ञान के साथ छात्रों का उत्तम विकास सुनिश्चित होता है। विश्वविद्यालय के सम्माननीय शिक्षकों व अधिकारियों का योगदान एवं मार्गदर्शन इस वृत्तसङ्ग्रह में अतीव श्लाघनीय है। विश्वविद्यालय अपने ज्ञान–विज्ञान के प्रवाह से प्रतिभाओं को निरन्तर उपकृत करता रहेगा–

पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते॥

डॉ.मनमोहन तिवारी
अध्यक्ष
न्यूज लेटर समिति

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

15 अक्टूबर, 2020

सन्देश

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा 'न्यूज लेटर संग्राम' के द्वितीय अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका बहुत अहम होती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में हमें ऐसे शिक्षकों पर बल देना है, जो विद्यार्थियों में जिज्ञासा और अभिनव सोच के साथ–साथ प्रेम व करूणा की भावना को बढ़ावा देने में सक्षम हों। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवनियुक्त शिक्षक विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।

'न्यूज लेटर संग्राम' के सफल प्रकाशन के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@nic.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

संख्या-

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ - 226001

दिनांक : 19. 10. 2020

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अपने 'न्यूज लेटर संग्राम' का द्वितीय अंक प्रकाशित किया जा रहा है।

यह सराहनीय है कि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा ज्ञान–विज्ञान की विविध शाखाओं के माध्यम से शिक्षा का प्रसार किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं नूतन क्रियाकलापों से विद्वत समाज को अवगत कराने के लिए न्यूज लेटर का प्रकाशन प्रशंसनीय है। मुझे आशा है कि न्यूज लेटर में पाठकों के लिए उपयोगी सामग्री का समावेश किया जाएगा।

'न्यूज लेटर संग्राम' के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2236181 / 2239296 फैक्स - 0522-2239234 ईमेल - cmup@nic.in

डॉ0 दिनेश शर्मा

उप मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

99-100, विधान भवन,
लखनऊ

दिनांक। 09/10/2020

सन्देश

यह हर्ष का विषय है कि प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा **"न्यूज लेटर संग्राम-2020 भाग 2"** का प्रकाशन किया जा रहा है। राष्ट्र के नवविकास एवं नवनिर्माण में विश्वविद्यालयों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है, जो अपने नवाचारों, समर्पण और नवदृष्टि से नये युग की संरचना करते हुए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं।

मैं प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में नवनियुक्त सभी शिक्षकों को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज स्वयं में ज्ञानोत्कर्ष के साधक के रूप में अग्रगण्य होता जा रहा है। सर्वजन हेतु शिक्षा अभिनव संस्कार की दात्री है तथा उसके समुन्नत विकास का प्रथम सोपान है। साथ ही शिक्षा मानव के लिए उसके जीवन की स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े अधिकारों का जागरण है। आज के वैश्विक समाज में उन्नत शिक्षण प्रणाली के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है।

मैं आशा करता हूँ कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित **"न्यूज लेटर संग्राम-2020"** का यह अंक छात्रों को संस्कारित करने के साथ-2 यथेष्ट समस्त संभाग को मार्गदर्शित करेगा।

भवदीय,

(डॉ0 दिनेश शर्मा)

कुलपति–संदेश

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय निरन्तर बहुआयामी प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय के नैनी स्थित नव परिसर में एक तीन मंजिला भवन एवं एक पाँच मंजिला भवन उपयोग हेतु तैयार है। इस भवन में छः कक्षाएँ, एक सभागार, एक विशाल पुस्तकालय एवं 16 कक्षों में सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों के बैठने हेतु समुचित व्यवस्था कर दी गयी है एवं परास्नातक पाठ्यक्रम की सम–सेमेस्टर परीक्षाएं 01 अक्टूबर 2020 से नव परिसर में सम्पन्न हुयी है। विश्वविद्यालय में 11 विषयों में चयन समिति करके 26 नये शिक्षक–शिक्षिकाओं की नियुक्ति प्रक्रिया जुलाई–अगस्त, 2020 में सम्पन्न हुयी। छः नये विषयों के पाठ्यक्रम प्रारम्भ हो रहे हैं। इसी के साथ विश्वविद्यालय में इस वर्ष से शोध में छात्र–छात्राओं का प्रवेश भी प्रारम्भ हो रहा है।

यद्यपि कोरोना–काल में पठन–पाठन को भारी क्षति पहुँची है, परन्तु इस कठोर समय में भी जूम एवं गूगल मीट एप्प द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रिय वेबिनार का भी सफल आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर ई–पाठशाला पोर्टल की सहायता से छात्र–छात्राओं के अध्ययन के लिए अनन्य रोचक व सार्थक पठन–सामग्री भी अभिसंचित की गयी।

कोविड–19 पर आधारित अन्तर्राष्ट्रिय वेबिनार 05–06 जून 2020 को आयोजित किया गया था, जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश की माननीया कुलाधिपति महोदया जी के कर–कमलों द्वारा किया गया था। जिसमें अमेरिका, फ्रांस, सिंगापुर और भारत आदि सभी देशों से अत्यन्त रोचक विषयों पर व्याख्यान दिये गये। इस वेबिनार का सजीव प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से किया गया था, जिससे लगभग 3000 लोग लाभान्वित हुए।

कोरोना वैश्विक महामारी की विषम परिस्थितियों के दृष्टिगत विश्वविद्यालय ने अपना नवनिर्मित परिसर जिलाधिकारी के संरक्षण में प्रवासी मजदूरों को इस संकटकाल की स्थिति में उपलब्ध कराया था। कोरोना के कारण प्रवासी मजदूरों की दयनीय स्थिति को देखते हुए विश्वविद्यालय ने 5500 राहत सामग्री के पैकेट निरन्तर वितरित करवाये, जिसमें 15 दिन की भोजन–सामग्री उपलब्ध थी। पुलिस–विभाग ने विश्वविद्यालय को अक्षय–पात्र की संज्ञा भी प्रदान की।

दिनांक 13.09.2020 को विश्वविद्यालय के नैनी स्थित नव परिसर में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) के चित्र का अनावरण किया गया। नव नियुक्त शिक्षकों की ऊर्जा से नव परिसर अभिभूत है। माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के अवसर पर दिनांक 17.09.2020 को नैनी स्थित नव निर्मित भवन में 250 पीपल के पौधे व अन्य पौधे भी रोपित किये गये। इसी क्रम में नयी शिक्षा नीति–2020 का आगमन हुआ। दिनांक 23.09.2020 को नयी शिक्षा नीति पर आधारित एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया था। महात्मा गाँधी के 151वीं जयन्ती के अवसर पर लघु व्याख्यानों द्वारा महात्मा गाँधी के जीवन–दर्शन के विभिन्न पहलुओं पर परिचर्चा से नयी पीढ़ी में एक नयी सोच ने पुनः जन्म लिया। सत्यनिष्ठा, कामचोरी, भ्रष्टाचार, आज का भारत एवं गाँधी विषयों पर सभी शिक्षकों ने मंथन किया। निश्चित ही एक नवीन विश्वविद्यालय की नवीन सोच के साथ सकारात्मक नींव पड़ चुकी है। यदि नींव पक्की है तो वह विश्वविद्यालय को अवश्य ही आगामी वर्षों में उच्चतम शिखर तक पहुँचायेगी।

दिनांक– 03.10.2020

प्रो. संगीता श्रीवास्तव
कुलपति

कुलसचिव के द्वारा संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि विश्वविद्यालय सम्प्रति न्यूज लेटर संग्राम भाग 2 (जुलाई से सितम्बर 2020) का प्रकाशन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों के द्वारा संरचित प्रारूप व लेख अतीव ग्राह्य एवं उत्कृष्ट–भाव प्रदर्शित करते हैं। शिक्षक अपने स्वाध्याय व प्रवचन से तथा सतत अध्यवसाय से शिक्षार्थीध्अध्येताओं की ज्ञानपिपासा का उपशमन करते हुए राष्ट्र के अनवरत विकास में अपना योगदान देते हैं। ज्ञान–विज्ञान का सुन्दर संकलन सुधी पाठकों एवं छात्रों का ज्ञानवर्द्धन करेंगे। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रकाशित करते हुए सुन्दर छायाचित्रों से समन्वित यह वृत्तसङ्ग्रह अपनी महत्ता को प्राप्त करे।

श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है कि–

स्वे–स्वे कर्मण्यभिरतः संसिद्धिं लभते नरः।

18.45

मैं आभार व्यक्त करता हूँ विश्वविद्यालय परिवार की मुखिया माननीया कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव महोदया का जो विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को भी सहजता से पूर्ण करने में हम सभी का मार्गदर्शन करते हुए सतत दायित्व का भाव बोध करने की प्रेरणा प्रदान करती हैं। आपकी सदिच्छा के फलस्वरूप विश्वविद्यालय अपने अभीष्ट लक्ष्यों व उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु अग्रणी हो रहा है। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा संकलित ई–कन्टेन्ट्स शासन के वेबसाइट पर अपलोड किये गये।

विश्वविद्यालय अपनी भव्यता, ज्ञान की महत्ता व कर्मनिष्ठा का सन्देश सर्वत्र प्रसारित करते हुए नित्य प्रतिभाओं के प्रगतिपथ का प्रकाश करे। मैं न्यूज लेटर संग्राम भाग–२ के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामना देता हूँ।

दिनांक– 05–10–2020

शेषनाथ पाण्डेय
कुलसचिव

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज,उ0प्र0
(पूर्ववर्तीः इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly. Allahabad State University)

परीक्षा नियंत्रक की कलम से

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज स्वस्थ, सशक्त और स्वावलंबी शिक्षित 'आत्मनिर्भर भारत' के स्वप्नदर्शी राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्ति में अपना बहुमूल्य योगदान देते हुए प्रगति के पथ पर सतत् गतिशील है। मा0 कुलपति महोदया प्रो0 संगीता श्रीवास्तव जी के नवोन्मेषी और प्रेरक मार्गदर्शन में और शासकीय नियमों के अनुपालन के साथ विश्वविद्यालय अपनी समस्त परीक्षाओं को आदर्श वातावरण में शुचितापूर्ण तरीके से एवम् नकलविहीन सम्पादित करता रहा है और सदैव ही इसके लिए दृढ़ संकल्पित है।

कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण विश्वविद्यालय की अवशेष वार्षिक परीक्षाएं दिनांकः 18.09.2020 से प्रारम्भ होकर दिनांकः 12.10.2020 तिथि तक सम्पन्न हुई।

अवशेष वार्षिक परीक्षाओं सत्र 2019–20 का विवरण

क्र.सं.	जनपद	नोडल केन्द्रों की संख्या	परीक्षा केन्द्रों की संख्या	सम्मिलित परीक्षार्थियों की संख्या
1.	प्रयागराज	19	157	63482
2.	प्रतापगढ़	10	79	18611
3.	कौशाम्बी	3	24	7368
4.	फतेहपुर	8	47	11772

अवशेष वार्षिक परीक्षाएं दो पालियों क्रमशःपूर्वाह्न 9:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं अपराह्न 2:00 बजे से 5:00 बजे तक सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय के सम सेमेस्टर की परीक्षाएं दिनांकः 01.10.2020 से प्रारम्भ होकर दिनांकः 09.10.2020 तक सम्पन्न हुई।

सम सेमेस्टर परीक्षा सत्र 2019–20 का विवरण

क्र.सं.	जनपद	नोडल केन्द्रों की संख्या	परीक्षा केन्द्रों की संख्या	सम्मिलित परीक्षार्थियों की संख्या
1.	प्रयागराज	6	34	15974
2.	प्रतापगढ़	8	15	5861
3.	कौशाम्बी	2	3	1518
4.	फतेहपुर	4	8	1667

ये परीक्षाएं दो पालियों क्रमशः पूर्वाह्न 9:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं अपराह्न 2:00 बजे से 5:00 बजे तक सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय द्वारा अपनी समस्त परीक्षाओं में, मा0 कुलपति महोदया और शासकीय निर्देशानुसार कोविड–19 से बचाव हेतु संस्तुत प्रोटोकाल का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराना उल्लेखनीय है। विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में आदर्श अकादमिक परिवेश के लक्ष्य के साथ मा0 कुलपति महोदया के दूरदर्शी निर्देशन एवं निरीक्षण में परीक्षाओं को स्वस्थ और श्रेष्ठ परिवेश मे सम्पन्न कराया गया ।

(डॉ0 कुलदीप सिंह)
परीक्षा नियंत्रक
प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय,
प्रयागराज।

विश्वविद्यालय समाचार

अन्तर्राष्ट्रिय वेबिनार का आयोजन– 5–6 जून 2020

Topic : "Perspectives of Health] Hygiene] Sanitation Immunity & Social Distancing with Digital Media as per current scenario of COVID-19"

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रिय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय "Perspectives of Health] Hygiene] Sanitation Immunity & Social Distancing with Digital Media as per current scenario of COVID-19" पर आधारित था। वेबिनार की मुख्य अतिथि माननीया कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल थीं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने कुलाधिपति महोदया का स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रथम ई–न्यूजलेटर 'संग्राम' का अनावरण माननीया कुलाधिपति महोदया के कर कमलों द्वारा किया गया। माननीया कुलपति महोदया ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय के कार्य निर्वहन एवं दायित्व योजनाओं को कुलाधिपति महोदया के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके साथ ही साथ कुलपति महोदया ने कहा कि, विश्वविद्यालय इस वर्ष से 06 नए परास्नातक विषयों का आरम्भ करने जा रहा है।

माननीया कुलाधिपति महोदया ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान किए गए प्रयासों की सराहना की। कुलाधिपति महोदया ने कहा कि प्रधानमन्त्री द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस को जैव विविधता दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने इस कोरोना महामारी के समय केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं से सभी को परिचित कराया। कोरोना लॉकडाउन के दौरान स्थगित परीक्षाओं का पुनः निर्धारण, सत्र संचालन, महामारी के सुरक्षित उपायों के साथ सभी विश्वविद्यालय कराना सुनिश्चित करें। ''जान भी जहान भी'' पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हमें भी अपनी सामाजिक एवं आर्थिक सुदृढ़ता को लाने के लिए सरकार का सहयोग करना होगा। इसी के साथ–साथ माननीया कुलाधिपति महोदया ने 'प्रधानमन्त्री किसान सम्मान निधि', 'वोकल फॉर लोकल', 'माइग्रेशन कमीशन' (प्रवासी मजदूरों के लिए) तथा 'एक जिला एक उत्पाद' जैसी योजनाओं से अवगत कराया।

वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की उपस्थिति भी रही। वेबिनार में देश–विदेशों से वक्ताओं ने व्याख्यान प्रस्तुत किये। प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. कृष्ण कुमार, अधिष्ठाता विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने मानव शरीर के इम्यून सिस्टम पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया। प्रो. कृष्ण कुमार ने इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के उपाय साझा किए। हम अपने आहार में विभिन्न प्रकार की हरी सब्जियों एवं फलों, दालों आदि का उपयोग करके अपनी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं।

द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. वत्सला मिश्रा, मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज, प्रयागराज ने कोविड–19 से सुरक्षित रहने के उपाय पर महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। मास्क का सही उपयोग एवं अन्य सुरक्षात्मक उपायों को विस्तार से समझाया। तृतीय एवं अन्तिम सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. शालिनी चन्द्रा (सिंगापुर) ने अपने व्याख्यान में कोरोना महामारी के समय सोशल डिस्टेसिंग और आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस के महत्त्व को बताया।

वेबिनार के दूसरे दिन भी विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। पहले तकनीकी सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. अनुरागिनी शिरीष रहीं। डॉ. अनुरागिनी शिरीष फ्रांस के इन्स्टीट्यूट माइंस–टेलीकौम बिजनेस में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में कोविड–19 के दौरान हम कैसे अपने आपको तनाव से बचा सकते हैं, इस पर महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया की कुछ सकारात्मक तकनीक का उपयोग करके हम तनाव को कम कर सकते हैं, जैसे मेडिटेशन, म्यूजिक सुनकर, सकारात्मक खबरें पढ़कर, सही तथ्य को समझकर योगा आदि। अपने आपको किसी न किसी कार्य में व्यस्त रखकर हम किसी भी कारण से होने वाले तनाव से बच सकते हैं। दूसरे सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. शैलजा माथुर रहीं। डॉ. शैलजा माथुर, रटगर्स यूनीवर्सिटी न्यू जर्सी में

डाइटीशियन के रूप में काम करती हैं। उन्होंने अपने व्याख्यान में Chronic Diseases and COVID - 19 विषय पर जानकारी दी। गम्भीर बीमारियाँ जैसे–डायबिटीज, किडनी की बीमारी, लीवर सम्बन्धी बीमारी आदि को कोविड–19 के रिस्क के रूप में बताया। यदि इनमें से किसी भी बीमारी के दौरान कोविड–19 का संक्रमण हो जाता है तो उसके परिणाम गम्भीर हो सकते हैं। उन्होंने इन बीमारियों के दौरान क्या खान–पान होना चाहिए इस पर भी चर्चा की।

तृतीय और वेबिनार के अन्तिम सत्र में डॉ. विश्वेश नाथ (मेडिकल इमेंजिग साइंटिस्ट और संयुक्त राज्य अमेरिका) ने आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस और कोविड–19 पर व्याख्यान दिया। डॉ. विश्वेश ने अपने व्याख्यान में बताया कि कृत्रिम विभाग एक ऐसा Simulation है, जिससे कि मशीनों को इंसानी intelligence (बुद्धिमत्ता) दिया जाता है या यूँ कहें तो उनके दिमाग को इतना उन्नत किया जाता है कि मशीनें इंसानों की तरह सोच सकें।

वेबिनार के विभिन्न सत्रों का संचालन डॉ. जया कपूर एवं डॉ. शिवानी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने दिया।

Youtube Link- https://www.youtube.com/watch?v=E8xvSVQVGac

https://www.youtube.com/watch?v=XKW729-7QXU

महामहिम कुलाधिपति महोदया
श्रीमती आनन्दी बेन पटेल

माननीय कुलपति महोदया
प्रो. संगीता श्रीवास्तव (पी.आर.एस.यू.)

डॉ. शिवानी श्रीवास्तव
(पी.आर.एस.यू.)

डॉ. विश्वेश नाथ
(अमेरिका)

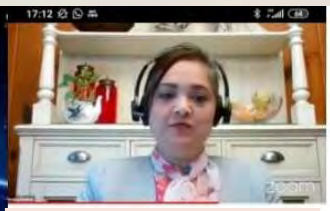

डॉ. शालिनी माथुर
(अमेरिका)

डॉ. जया कपूर चड्ढा
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय)

प्रो. कृष्ण कुमार
(इलाहाबाद विष्वविद्यालय)

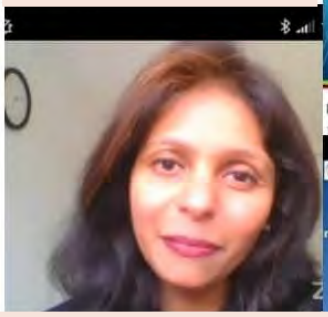

डॉ. अनुरागिनी शिरीष
(फ्रांस)

माननीय कुलपति महोदया
प्रो. संगीता श्रीवास्तव (पी.आर.एस.यू.)

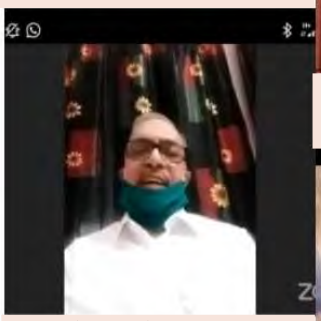

प्रो. मनमोहन कृष्णा
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय)

डॉ. शालिनी चन्द्रा
(सिंगापुर)

डॉ. वत्सला मिश्रा
(एम.एल.एन. मेडिकल कालेज, प्रयागराज)

शिक्षक भर्ती – नयी उपलब्धि

नव नियुक्त शिक्षकों का विभागवार विवरण

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में माननीया कुलपति महोदया प्रो. संगीता श्रीवास्तव के द्वारा शिक्षक भर्ती के साक्षात्कार की प्रक्रिया 22 जुलाई 2020 से प्रारंभ की गई एवं 14 अगस्त 2020 को संपन्न हुयी। राज्य विश्वविद्यालय में इस समय तक स्थायी शिक्षक नहीं थे। विश्वविद्यालय का लक्ष्य नये शैक्षणिक सत्र से नव शिक्षकों की नियुक्ति करना था। कोविड–19 के समय में यह कार्य अत्यन्त ही चुनौतीपूर्ण था परन्तु विश्वविद्यालय की उन्नति एवं कक्षाओं के संचालन के लिए शिक्षकों की अत्यंत आवश्यकता थी। विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर 6 विषयों (प्राचीन इतिहास, राजनीति विज्ञान, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, हिन्दी, समाजकार्य एवं वाणिज्य) में अध्ययन–अध्यापन कार्य किया जा रहा था। इस सत्र (2020–2021) से 6 नये विषयों को मंजूरी प्रदान की गई। उनमें भूगोल, दर्शनशास्त्र, रक्षा एवं स्त्रॉतजिक अध्ययन, संस्कृत, समाजशास्त्र एवं अंग्रेजी शामिल हैं। शिक्षक भर्ती विश्वविद्यालय की नयी उपलब्धि है। 11 विषयों में 26 शिक्षकों का चयन किया गया। इन 11 विषयों में 3 आचार्य, 3 सहयुक्त आचार्य एवं 20 सहायक आचार्यों का चयन हुआ है।

शिक्षकों का विषयवार विवरण

क्र. सं.	नाम	विभाग/विषय	पद	संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष	शैक्षणिक उपलब्धि	प्रकाशित शोधपत्र	छायाचित्र
१.	डॉ. राजकुमार गुप्त	प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व	आचार्य	कला संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	३४	
२.	डॉ. जितेन्द्र सिंह नौलखा	प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व	सहयुक्त आचार्य		पीएच.डी.	२६	
३.	डॉ. मनोज कुमार वर्मा	प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	१७	
४.	डॉ. प्रशान्त सिंह	प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	१०	
५.	डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव	दर्शनशास्त्र	सहायक आचार्य	विभागाध्यक्ष एवं कुलानुशासक	पीएच.डी.	१०	
६.	डॉ. युवराज सिंह	दर्शनशास्त्र	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	०३	

७.	डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय	राजनीति विज्ञान	सहायक आचार्य	विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	१०	
८.	डॉ. अतुल कुमार वर्मा	राजनीति विज्ञान	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	०६	
९.	डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	सहायक आचार्य	विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	०४	
१०.	श्वेता कुमारी	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	सहायक आचार्य			११	
११.	डॉ. मनमोहन तिवारी	संस्कृत	सहयुक्त आचार्य	विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	०८	
१२.	डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी	संस्कृत	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	३१	
१३.	डॉ. आनन्द राजा	समाजशास्त्र	सहायक आचार्य	विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	०५	
१४.	डॉ. आशुतोष कुमार सिंह	हिन्दी	सहयुक्त आचार्य	विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	२०	
१५.	डॉ. अलका मिश्रा	हिन्दी	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	४५	
१६.	डॉ. अजीत सिंह	हिन्दी	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	१५	
१७.	डॉ. अर्चना चन्द्रा	वाणिज्य	आचार्य	वाणिज्य संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	३५	
१८.	डॉ. प्रियंका सक्सेना	वाणिज्य	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	०४	

१९.	गौतम कोहली	वाणिज्य	सहायक आचार्य			२०	
२०.	डॉ. विवेक कुमार सिंह	समाज कार्य	आचार्य	छात्र–कल्याण संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	३०	
२१.	डॉ. गीतांजली श्रीवास्तव	समाज कार्य	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	११	
२२.	कविता गौतम	समाज कार्य	सहायक आचार्य			०४	
२३.	डॉ. दिव्या द्विवेदी	रक्षा एवं स्त्रॉतजिक अध्ययन	सहायक आचार्य	विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	१०	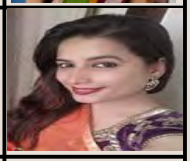
२४.	राहुल कुमार	रक्षा एवं स्त्रॉतजिक अध्ययन	सहायक आचार्य			०७	
२५.	डॉ. श्वेता श्रीवास्तव	भूगोल	सहायक आचार्य	विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.	०५	
२६.	डॉ. महविश अंजुम	भूगोल	सहायक आचार्य		पीएच.डी.	१६	

स्वतन्त्रता–दिवस समारोह –15.08.2020

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में 15 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता– दिवस का समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता–दिवस के शुभ अवसर पर माननीया कुलपति महोदया प्रो. संगीता श्रीवास्तव जी ने सभी शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को संबोधित किया। कुलपति महोदया ने देश के 74 वें स्वतंत्रता–दिवस पर भारतीय गौरवपूर्ण इतिहास का स्मरण किया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस प्रकार भारत ब्रिटिश गुलामी के पूर्व एक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र था। उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था की जी.डी.पी. 23 प्रतिशत थी, जबकि आज स्वतंत्रता के 74 वर्ष बाद भी हम मात्र 3 प्रतिशत जी.डी.पी. के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने वर्तमान नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० में हुए बदलाव का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार अब भारत को मूल्यपरक शिक्षा को समृद्ध करने के लिए मातृभाषा अपनाते हुए कार्य करना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि हम हिंदी भाषा को प्राथमिकता दें। साथ ही अंतराष्ट्रिय स्तर पर अंग्रेजी को भी जानें, जिससे हम अपनी आगामी पीढ़ियों को अंताराष्ट्रिय स्तर के ज्ञान से समृद्ध कर सकेंगें।

Youtube Link- https://www.youtube.com/watch?v=cKZQMzdQ_mY

"प्रतिभा" सभागार का उद्घाटन (18.08.2020)

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नैनी स्थित नवनिर्मित परिसर में **"प्रतिभा" सभागार** का उद्घाटन मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त श्री आर. रमेश कुमार द्वारा किया गया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों का परिचय समारोह कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। उसके बाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री शेषनाथ पाण्डेय द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन वाचन किया गया। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के लिए तत्परता से कार्य करने वाले कर्मचारियों को कुलपति महोदया प्रो. संगीता श्रीवास्तव एवं मंडलायुक्त आर. रमेश कुमार के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंडलायुक्त आर. रमेश कुमार ने विश्वविद्यालय के उत्थान एवं शिक्षकों की नियुक्ति में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया के कार्यों की सराहना की। मंडलायुक्त ने कोविड–19 के दौरान हुए लॉकडाउन में विश्वविद्यालय की आदरणीया कुलपति महोदया प्रो. संगीता श्रीवास्तव द्वारा मास्क एवं खाद्य सामग्री वितरण की सराहना करते हुए इस बात को दृढ़ता से कहा कि ऐसे कार्यों से राष्ट्रीय अखण्डता एवं भाईचारे का भाव समाज में समृद्ध होता है। मंडलायुक्त ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा विश्वविद्यालय के मूल्यांकन की आवश्यकता एवं महत्त्व पर भी चर्चा की। साथ ही उन्होने भारत सरकार द्वारा लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर भी चर्चा की।

विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन में मंडलायुक्त आर. रमेश कुमार का धन्यवाद किया। साथ ही नवनियुक्त शिक्षकों का स्वागत भी किया। माननीया कुलपति महोदया ने प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा के बारे में बताया। इसके साथ–साथ विश्वविद्यालय में 3 डीन तथा 11 विभागाध्यक्षों तथा कुलानुशासक नियुक्त किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने किया।

Youtube link- https://www.youtube.com/watch?v=VcgbhirpwZ8

Youtube link- https://www.youtube.com/watch?v=VcgbhirpwZ8

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वाविद्यालय, प्रयागराज (सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी) के नये भवन मे प्रवेश

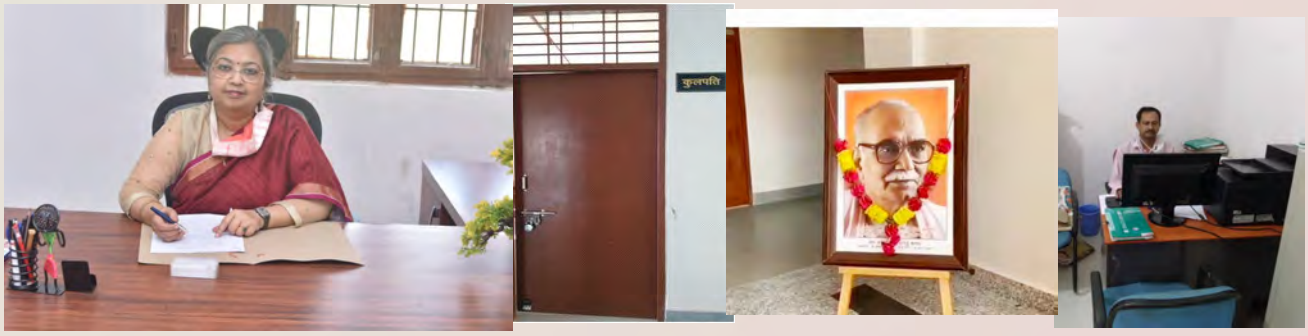

Youtube Link- https://www.youtube.com/watch?v=k2vSfwynstA&t=2s

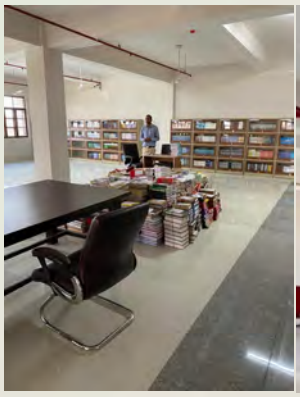

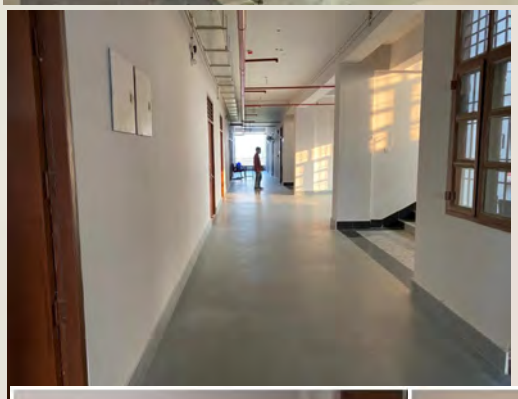

गांधी जयन्ती
2 अक्टूबर 2020
महात्मा गांधी और आज का भारत
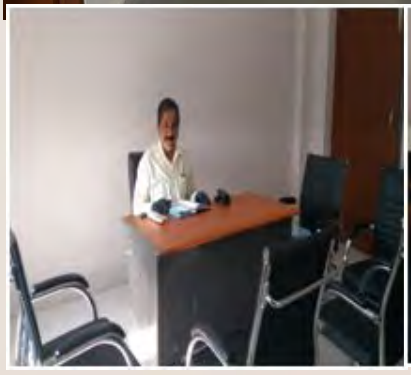

शिक्षक दिवस समारोह "उद्‌गार"– 04.09.2020

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नवीन परिसर नैनी के सभागार मे शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षक दिवस के परिप्रेक्ष्य में "उद्‌गार" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव महोदया ने उद्‌गार कार्यक्रम की अध्यक्षता का निर्वहण किया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस क्रम में संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. मनमोहन तिवारी ने वैदिक मंगलाचरण एवं लौकिक मंगलाचरण किया। अनन्तर संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने सरस्वती–वंदना व गुरु–वंदना सुन्दर स्वर से प्रस्तुत किया। हिंन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने माननीया कुलपति महोदया का स्वागत वाचन किया। आपने हिन्दी साहित्य के पद्यों को उद्धृत करते हुए समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में गुरु की भूमिका पर प्रकाश डाला। समस्त शिक्षकों की ओर से डॉ. अलका मिश्रा सहायक आचार्य हिन्दी विभाग ने माननीया कुलपति महोदया के सम्मान में अभिनन्दन–पत्र का वाचन किया। समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गीतांजली श्रीवास्तव ने मधुर स्वर में गुरु–वंदना प्रस्तुत की। इसी क्रम में इसी विभाग की सहायक आचार्य कविता गौतम ने शिक्षकों के सम्मान में कविता की प्रस्तुति द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष एवं कुलानुशासक डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने अपने सूत्रवत् एवं मनोरम मंच संचालन से सभागार को भावगम्य एवं गौरवान्वित किया है। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में माननीया कुलपति महोदया प्रो. संगीता श्रीवास्तव जी ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उन्हे इस ओर प्रेरित किया कि शिक्षकों को हमेशा एक आदर्श शिक्षक बनना चाहिए। शिक्षक तो सब हो जाते है किन्तु अच्छा शिक्षक बनना मुश्किल है। आशा है कि आप सभी अच्छे शिक्षक बनकर राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान करेंगें। इसी क्रम में उन्होने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में भी प्रकाश डाला। आपने बताया कि यह शिक्षा नीति भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अखंडता का संरक्षण करती है। आपने कहा कि हमें रोजगार केंद्रित शिक्षा ही नहीं अपितु मानव केंद्रित शिक्षा पर भी कार्य करना है। जो वर्तमान शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष एवं कुलानुशासक डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया एवं इसी के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ।

शिक्षक का सम्मान

कविता गौतम

शिक्षक से ही प्रगति का हर द्वार खुलता है,
निराशा से वो आशा का संचार बनता है।
शिक्षक का बोया पेड़ बनता है,
हजारों बीज वही फिर पेड़ जनता है।
जोड़ सकता है वो धरती और अम्बर को,
रोक सकता है वो हवाओं के बवंडर को।
शिक्षक की दया दृष्टि से, बालक राम बन जाते हैं।
शिक्षक की विद्या पाकर ही तो,
अर्जुन धनुर्धर कहलाते हैं।
नीति, प्रशासन और अनुशासन,
ये शिक्षक ही सिखलाते हैं।
दानवता और मानवता का फर्क,
वही बतलाते हैं।
अ, आ, इ, ई का पाठ है शिक्षक,
बुद्धि का विस्तार है शिक्षक ।
जगत् का उद्धार है शिक्षक,
असभ्यता से सभ्यता का मार्ग है शिक्षक ।
है जिसका फूलों से भी कोमल मन और शूल सा अनुशासन भी है।
अंधकार में प्रकाश की वो किरण भी है।
हम सबने भी तो शिक्षक बनने का सुअवसर पाया है,
बहुत बड़ी जिम्मेदारी को हमने गले लगाया है।
इस जिम्मेदारी को ईमानदारी, निष्ठा और कर्मठता से निभायेंगें,
अपने प्यारे भारत को हम जगद्गुरु बनायेंगें।

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) की प्रतिमा का

अनावरण एवं हवन– 13.09.2020

माननीया कुलपति महोदया के निर्देशकत्व में दिनांक 13.09.2020 को प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नवनिर्मित परिसर नैनी में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) के चित्र का अनावरण एवं हवन का पुण्यमय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रध्छात्राओं तथा विश्वविद्यालय के समुन्नति के लिये सामूहिक भजन, प्रार्थना मन्त्रोच्चारपूर्वक की गई। माननीया कुलपति महोदया के द्वारा अपने सम्बोधन में श्रीयुत् प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) के व्यक्तित्व, वैदुष्य एवं राष्ट्र के प्रति अखण्ड समर्पण का

भाव प्रकाशित किया गया। इस अवसर पर संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी के द्वारा श्रीयुत् जानकीवल्लभ शास्त्री द्वारा प्रणीत सरस्वती–वन्दना प्रस्तुत की गई।

विश्वविद्यालय में शोध आरम्भ हुआ – 11 विषयों में शोध–प्रवेश को मंजूरी

(सत्र २०२०–२०२१)

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति महोदया प्रो. संगीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित परीक्षा समिति के द्वारा नए शैक्षणिक सत्र 2020–21 से विश्वविद्यालय में अनुसंधान (पीएच.डी.) में प्रवेश हेतु मंजूरी प्रदान की गई। राज्य विश्वविद्यालय में 11 विषयों के सापेक्ष 44 सीटों पर दाखिला किया जाएगा। विश्वविद्यालय में शोध कार्य नवनियुक्त शिक्षकों के द्वारा सम्पादित कराया जायेगा। प्रत्येक शिक्षक के साथ दो छात्रों को एक सत्र में प्रवेश पायेंगे। पीएच.डी. में प्रवेश संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा (Combined Research Entrance Test) के माध्यम से किया जाएगा। रिक्तियों का विभागवार विवरण इस प्रकार है–

क्र. सं.	विभागधविषय	रिक्तियाँ
1.	प्राचीन इतिहास	08
2.	दर्शनशास्त्र	04
3.	राजनीति विज्ञान	04
4.	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	02
5.	संस्कृत	04
6.	समाजशास्त्र	02
7.	हिन्दी	06
8.	वाणिज्य	04
9.	समाज कार्य	04
10.	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन	02
11.	भूगोल	04

माननीय प्रधानमन्त्री के जन्मदिवस के अवसर पर वृक्षारोपण– 17.09.2020

प्रकृति की मनोहरता एवं सौन्दर्य–विषयक जिज्ञासा के प्रति मानव मन हमेशा आकृष्ट होता रहा है। मनुष्य ने जैसे ही प्रकृति का सान्निध्य प्राप्त किया, उसने अपने भावों एवं सामंजस्य को प्रकृति के साथ व्यवस्थित करने का अद्भुत प्रयास किया। प्राकृतिक वातावरण मनुष्य के विकास में सहायक सिद्ध होता रहा है। इसकी शुद्धता जैसे वायु, जल, आकाश, पर्यावरण, वृक्ष एवं पौधें आदि सभी मानव जाति के अस्तित्व के लिए अति महत्त्वपूर्ण हैं। इन सभी में पौधें मानव के सबसे अच्छे मित्र माने गये हैं परंतु वर्तमान काल में मानव, अपने स्वार्थ और विकास हेतु प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग कर प्रकृति को क्षति पहुँचा रहा है। इस सन्तुलन को बनाये रखने के लिए एवं मानव का प्रकृति के प्रति प्रेम स्थापित करने के लिए पौधारोपण एवं वन–संरक्षण बहुत आवश्यक है। इस उद्देश्य को प्रोत्साहित करने हेतु भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के जन्मदिवस तदनुसार 17.09.2020 के पुनीत अवसर पर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव महोदया के द्वारा 250 पौधों के वृक्षारोपण का सङ्कल्प पूर्ण करने के क्रम में पौधारोपण का कार्यक्रम नैनी परिसर में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास द्वारा सफलीभूत किया गया। इस पावन अवसर पर माननीया कुलपति महोदया ने स्वयं प्राङ्गण में उपस्थित होकर वृक्षारोपण किया। मुख्यतः बरगद, पीपल व नीम के पेड़ों को रोपित किया गया। शिक्षकों की भागीदारी इस अवसर पर सराहनीय रही तथा सभी शिक्षकों ने सेवा भाव से प्रेरित होकर अपनी क्यारियाँ बनाईं एवं उनमें पौधारोपण किया। माननीया कुलपति महोदया ने सभी शिक्षकों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और उन्हें संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माननीया कुलपति महोदया के आह्वान पर सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक दृढ़ संकल्प लिया कि हम सदैव पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से तत

राष्ट्रीय वेबिनार (23.09.2020)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : मुद्दे, चुनौतियाँ एवं अन्तर्दृष्टि

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 मुद्दे, चुनौतियाँ तथा अन्तर्दृष्टि विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में अध्यक्षीय सम्बोधन के क्रम में माननीया कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव महोदया ने अपने वक्तव्य में सामाजिक असमानता को सामाजिक विकास की सबसे बड़ी बाधा बताया। देश के विभिन्न पारम्परिक व्यवसाय जैसे– लोहार, जुलाहा तथा कुम्हार का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने भारत की सांस्कृतिक सम्पन्नता पर प्रकाश डाला। प्रत्येक व्यवसाय को समान रूप से महत्त्वपूर्ण मानते हुए उन्होंने समाज में व्याप्त ऊँच–नीच की भावना का पुरजोर खण्डन किया। भविष्य में गार्गी तथा चाणक्य जैसे विद्वानों को उत्पन्न करनेवाले विश्वविद्यालयों की स्थापना पर विशेष बल दिया।

वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में ग्लोबल रिसर्च फाउण्डेशन फॉर कॉरपोरेट गवर्नेंस के अध्यक्ष आदरणीय प्रो. जे. पी. शर्मा ने सकारात्मक विचारधारा को सफलता का मूल बताया। गुड गवर्नेंस को परिभाषित करते हुए नैतिक संचालन, मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता तथा शक्ति एवं सत्ता के उत्तरदायित्वपूर्ण प्रयोग को उन्होंने इसके प्रमुख तत्त्व बताये। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० को कई नीतियों का समन्वय बताते हुए इसके विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समग्रता तथा बहुविषयकता पर प्रकाश डालते हुए वाणिज्य संकाय की अधिष्ठाता प्रो. अर्चना चन्द्रा जी ने देश के युवावर्ग के सर्वाङ्गीण विकास पर विशेष बल दिया, जिसके लिए उन्होंने गुणवत्तापूर्ण तथा भारतीय परम्पराओं एवं मूल प्रणाली पर आधारित शिक्षा को महत्त्वपूर्ण माना। भारतीय संस्कृति का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने समग्र शिक्षा को एक ऐसी शिक्षा माना, जिसके द्वारा व्यक्ति का बौद्धिक, सामाजिक, सृजनात्मक तथा आध्यात्मिक विकास सम्भव हो सकेगा। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भारतीय परम्पराओं के पुनर्जीवन तथा आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूर्ण करने वाली एक समन्वित नीति बताया। भारतीय भाषाओं तथा संस्कृति का संवर्द्धन विषय पर अपने विचार रखते हुए प्रो. राजकुमार गुप्त, अधिष्ठाता कला संकाय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को एक बहुप्रतीक्षित नीति बताया। उन्होंने इस नीति को पंचायत से लेकर लोकसभा, ग्राम–प्रधान, प्रधानमंत्री, छात्र, अभिभावक, गरीब, उद्योगपतियों तथा शिक्षक से लेकर शिक्षाविदों तक सम्मिलित करनेवाली एकमात्र नीति बताया, जो भविष्यकालिक राष्ट्रनिर्माण में निर्णायक भूमिका निभानेवाले मानव संसाधन को तैयार करने में सक्षम रहेगी। मातृभाषा को महत्त्व देनेवाली इस नीति को भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा रचित "निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल" का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि भाषा भावों की अभिव्यक्ति मात्र न होकर सम्वेदना को भी अभिव्यक्त करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में समाजकार्य व्यवसाय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रो. विवेक कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने नयी शिक्षा नीति को शासकीय कार्यों में पारदर्शिता बनाये रखने में सहायक बताया। समाज कार्य व्यवसाय के मूल्यों को वर्तमान शिक्षा नीति २०२० के उद्देश्यों में अन्तर्निहित बताया। इस सन्दर्भ में उन्होंने बताया कि संकटग्रस्त स्थितियों में परामर्श, साक्षात्कार, सन्दर्भ–सूचना तथा स्पष्टीकरण द्वारा व्यक्तियों के समायोजन में सहयोग को महत्त्वपूर्ण माना। इसके अतिरिक्त उन्होंने विद्यालय तथा संस्थागत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से नीति के क्रियान्वयन को सफल बनाने की बात कहीं।

Youtube Link- https://www.youtube.com/watch?v=WGB-7Vj7pXY

गाँधी जयंती समारोह

दिनांक 02.10.2020

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नैनी परिसर के प्रतिभा सभागार में दिनांक 2 अक्टूबर 2020 को महात्मा गाँधी जी की जयंती समारोह का आयोजन बड़ी भव्यता से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने किया। आपने अपने उद्‌बोधन में नन्हे गाँधी जी की छवि को बड़े ही सुन्दर भावबोध के साथ संप्रस्तुत किया। आपने गाँधी जी के सिद्धांतों, विचारों की सतत प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। आपने बताया कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांव के मजदूर, किसान ही अर्थव्यवस्था के संबल बने हुए हैं। गांवों के स्वावलम्बन का जो स्वप्न गाँधी जी ने देखा था, उसमें समाज के सभी वर्गों की उन्नति शामिल थी। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजकुमार गुप्त जी के द्वारा पादप (पौधा) प्रदान कर माननीया कुलपति महोदया जी का स्वागत वाचन किया गया। इस क्रम में विषय का प्रवर्तन करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने आर्थिक विकास के परिप्रेक्ष्य में गाँधी जी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। डॉ. अलका मिश्रा सहायक आचार्य हिंदी विभाग ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का जो स्वप्न गाँधी जी ने देखा था उसे पूरा करने का वक्त आ गया है। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने गाँधी जी के सांस्कृतिक बोध पर चर्चा की। संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. मनमोहन तिवारी ने गाँधी का समकालीन दर्शन विषय पर अपने वक्तव्य में कहा कि भारत भूमि देवभूमि कही जाती है, यहाँ पर समय–समय पर अनेक महापुरुषों ने जन्म लेकर देश की जनता का एवं राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है। जिनमें महात्मा गाँधी का नाम अग्रगण्य है। सारस्वत व्याख्यान देते हुए दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव जी ने कहा कि विपुल संसाधनों के अभाव में भी गाँधी जी ने अपनी जीवन दृष्टि से, समाज का पथ आलोकित किया और हम देशवासियों के प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीतांजली श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन श्वेता कुमारी ने किया।

महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम– "दीपशिखा हैं महादेवी"

(11.09.2020)

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के तत्त्वावधान में महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि पर गूगल मीट पर "दीपशिखा हैं महादेवी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ती

अंग्रेजी विषय की व्याख्यात्री ख्यातिलब्ध–अन्ताराष्ट्रिय–लेखिका डॉ. शमेनाज शेख रहीं। कार्यक्रम की द्वितीय–वक्ती कवियित्री सरस दरबारी जी रहीं। उन्होंने महादेवी जी से जुड़े अपने संस्मरणों को साझा किया। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी एवं दर्शनशास्त्र के अध्यक्ष डॉ. अविनाश श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया। समाज कार्य की छात्रा सुश्री मैत्री यादव, हिंदी (परास्नातक) के छात्र श्री चंद्रकांत एवं श्री अशोक साहू ने महादेवी जी की कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन सांस्कृतिक समिति की प्रभारी डॉ. अलका मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं ने गूगल मीट पर सहभागिता की। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार सिंह का अभूतपूर्व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा सहायक आचार्य हिन्दी डॉ. अजीत सिंह ने विशेष सहयोग दिया।

हिन्दी–पखवाड़ा

(14–28 सितम्बर 2020)

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के तत्त्वावधान में दिनांक 14 सितंबर से लेकर 28 सितंबर 2020 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े के उपलक्ष्य में दिनांक 16.09.2020 को अन्ताराष्ट्रिय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें ह्यूस्टन अमेरिका के राइस विश्वविद्यालय से डॉ. जय मिश्रा एवं कैलगरी कैनेडा की सामाजिक मनोवैज्ञानिक सुश्री वर्तिका ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आदरणीया कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव महोदया ने कहा कि हिन्दी भाषा की उन्नति पर परिचर्चा के माध्यम से हिन्दी

समाज और भी समृद्ध होगा। जो भाषा हम बोलते हैं, वह हमारी संस्कृति को भी अभिव्यक्त करती है। जैसे श्मोक्षश शब्द किसी और भाषा के माध्यम से नहीं समझा जा सकता। इसे समझने के लिए हमें भारतीय संस्कृति, अध्यात्म एवं दर्शन के मूल में जाना होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मल्लपुरम् केरल के कालीकट विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रमोद कोवप्रत थे। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ शशांक शुक्ल थे। वहीं प्रयागराज की धरती का प्रतिनिधित्व इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहयुक्त आचार्य डॉ. राजेश गर्ग ने किया। विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हिंदी भाषा के संवर्द्धन हेतु विभिन्न प्रतियोगिता कार्यक्रमों का आयोजन वेब माध्यम से भी किया गया। जिसमें श्री मनीष वर्मा ने प्रथम स्थान, श्री दिव्यांशु श्रीवास्तव ने द्वितीय स्थान एवं श्री हिमांशु श्रीवास्तव व सुधांशु जी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी पखवाड़ा की संयोजिका डॉ. अलका मिश्रा ने एवं धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग, डॉ. अविनाश श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार सिंह का अद्वितीय निर्देशन प्राप्त हुआ तथा सहायक आचार्य हिन्दी डॉ. अजीत सिंह के सहयोग ने सबको प्रभावित किया।

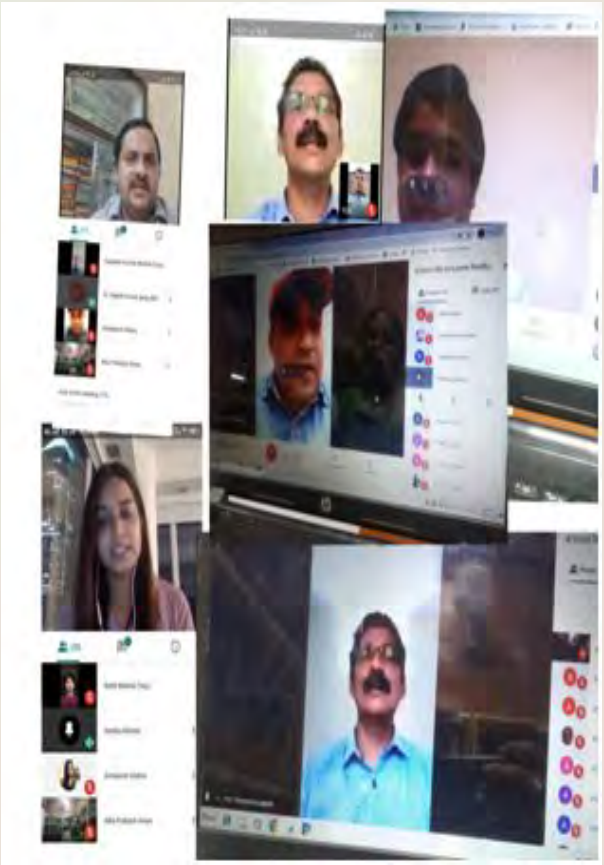

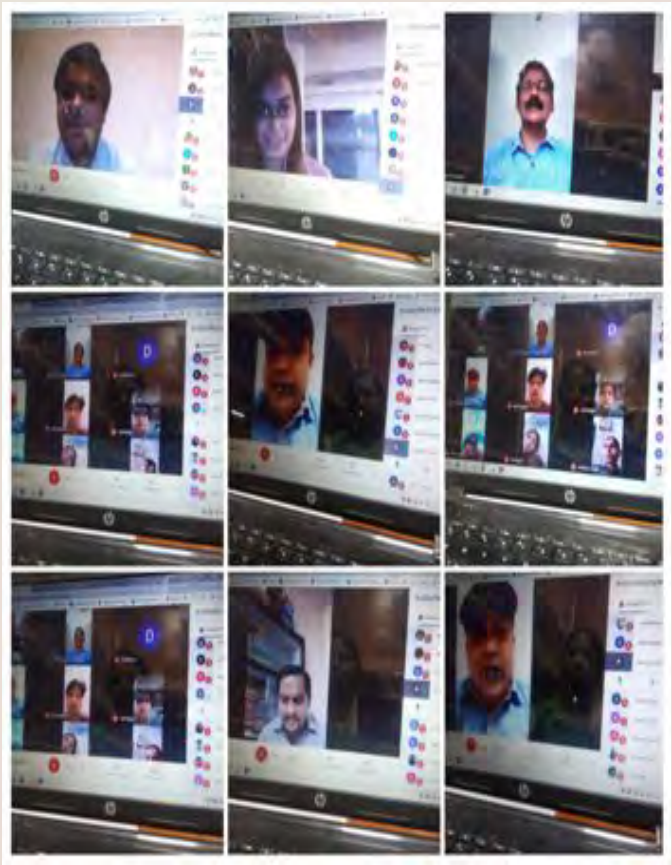

विश्वविद्यालय के विषय में समाचारपत्रों में प्रकाशित लेख

राज्य विवि में शिक्षक भर्ती को इंटरव्यू 22 से

11 विषयों में शिक्षकों के 76 पदों पर होनी है भर्ती

राज्य विश्वविद्यालय में खुला शिक्षक भर्ती का लिफाफा

राज्य विवि: 11 विभागाध्यक्ष, 3 डीन नियुक्त

ऑनलाइन शिक्षा आदर्श विकल्प नहीं

राज्य विवि के अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में बोलीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

परीक्षाओं के लिए रोडमैप तैयार करें विश्वविद्यालय : राज्यपाल

Universities can contribute to PM's dream, says Guv

राज्य विवि में अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आज से

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय के तत्वावधान में पांच एवं छह जून को 'कोविड-19 का वर्तमान परिदृश्य: स्वास्थ्य, स्वच्छता, सफाई, रोग प्रतिरोधक क्षमता और सामाजिक दूरी के परिप्रेक्ष्य में तथा डिजिटल मीडिया के साथ' विषय दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन सत्र पांच जून को सुबह 10 बजे से शुरू होगा और मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल होंगी। स्वागताध्यक्ष कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव होंगी।

नए परिसर में आठ विषयों की कक्षाओं को मंजूरी

कुलपति ने नैनी स्थित नवनिर्मित परिसर का किया निरीक्षण, शिफ्टिंग की प्रक्रिया शुरू

कार्य परिषद की बैठक में 8 विषयों के 19 पदों के लिए खुला लिफाफा

पीआरएसयू को मिल गए 19 नए शिक्षक

राज्य विवि को पीएचडी की हरी झंडी

राज्य विवि को सात और नए शिक्षक मिले